DSSSB PRT, TGT & PGT

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड

ROJGAR with ANKIT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

विराम चिह्न

Part -2

LIVE 17-04-2024 09:00 AM

⑦- उद्धरण चिह्न / अवतरण चिह्न (" ") ⇒ जब किसी कथन को जैसे का तैसा व्यक्त करना हो तब उद्धरण या अवतरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदा० 'कामायनी' की कथा संक्षेप में लिखिए।

'नवभारत टाइम्स' और 'दैनिक जागरण' हिन्दी के प्रसिद्ध राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र है।

"साहित्य राजनीति के आगे चलने वाली मशाल है"

"पराधीन सपनेहु सुख नाही।"

⑧- योजक चिह्न (-) ⇒ इस चिह्न का प्रयोग सामानार्थक शब्द, विलोम शब्द, तुलना वाचक शब्दों में किया जाता है।

उदा०

जीवन - मरण
बड़ा - सा
सुख - दुःख
अपना - पराया
कुछ - न - कुछ
थोड़ा - बहुत
चाँद - सा चेहरा

पास - पास
दूर - दूर
बार - बार
साफ - साफ

9- विवरण चिह्न (:-) ⇒ जब किसी कथन को विस्तृत रूप से व्यक्त करना हो तब विवरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदा० निम्नलिखित में से किसी एक पर 200 शब्दों में निबन्ध लिखें:-

कृपया कोरोना में निम्नलिखित नियमों का पालन करें :-

निम्न शब्दों की व्याख्या कीजिए :-

⑩- कोष्ठक चिह्न [()] ⇒ इसका प्रयोग विकल्प दिखाने या किसी क्रम सूचक अंकों या किसी शब्द के अर्थ को अधिक स्पष्ट करने के लिए कोष्ठक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदा॰ मुख मंयक के समान सुन्दर है

↳ मुँह की उपमा मंयक (चन्द्रमा) से की जाती है।

(क) (ख) (1) (2) (A) (B) (C)

दशहरे के अवसर पर दशानन (रावण) के पुतले का दहन किया जाता है।

(11) - लाघव चिह्न (॰) ⇒ किसी बड़े शब्द को संक्षिप्त रूप से व्यक्त करने के लिए लाघव चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

छोटा

उदा॰

डॉक्टर - डॉ॰

प्रोफेसर - प्रो॰

संयुक्त राज्य अमेरिका - सं॰ रा॰ अ॰

उत्तर प्रदेश - उ॰ प्र॰

इंजीनियर - इंजी॰

कृपया शान्त बैठिए - कृ॰ शा॰ बै॰

पण्डित - पं॰

एम॰ ए॰

बी॰ एस॰ सी॰

⑫- हंसपद / त्रुटिबोधक चिह्न (^) ⇒ वाक्य लिखते समय जब कोई शब्द या अंश छूट जाता है। तब इस चिह्न को लगाकर उस शब्द को लिख देते है।

उदा॰ मुझे आज ^ जाना है। (कोलकाता)

मैंने तुमसे वो ^ बताई थी। (बात)

⑬- समता / तुल्यसूचक चिह्न (=) ⇒ किसी शब्द का अर्थ लिखते समय समता सूचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जलज = कमल
रुदन = रोना
क्रोध = गुस्सा
बिडौजा = इन्द्र
जुगुप्सा = घृणा
समीर = हवा
अनुराग = प्रेम

(14) अपविराम / अपूर्ण विराम चिह्न (:) ⇒ जब किसी शब्द को अलग दर्शाना हो तब अपविराम चिह्न का प्रयोग होता है।

उदाहरण : मोहन आ गया ।

विज्ञान : वरदान या अभिशाप

प्रदूषण : एक अभिशाप

(15)- पुनरुक्ति सूचक चिह्न („) ⇒ इस चिह्न का प्रयोग ऊपर लिखे किसी वाक्य या वाक्य के अंश को दोबारा लिखने का श्रम बचाने के लिए किया जाता है।

राजीव
„

दानकर्ता का नाम	राशि
कलावती	10 रु०
अमरावती	„ „

(16) लोप / पदलोप चिह्न (-......) ⇒ जब वाक्य अनुच्छेद में कुछ अंश छोड़कर लिखना हो तब लोप चिह्न का प्रयोग होता है।

उदा॰ श्रीराम का जन्म ...... हुआ था।

ताजमहल ...... में स्थित है।

(17)- दीर्घ उच्चारण चिह्न (ऽ) ⇒ जब वाक्य में किसी शब्द विशेष के उच्चारण में अन्य शब्दों की अपेक्षा अधिक समय लगता है।

उदा॰ राऽम्

ओऽम्

(18) - टीका सूचक चिह्न (*) => पृष्ठ के सबसे नीचे महत्वपूर्ण बिन्दु को दर्शाना

*महात्मा गांधी - - - - -

(19) - समाप्ति सूचक (-o-) => लेख, कहानी, अध्याय, पाठ की समाप्ति पर इस चिह्न को लगाते हैं

रामायण की पुस्तक के अन्त में

(20) - पाद बिन्दु (.) => अरबी - फारसी शब्दों में प्रयोग

ज़हीर वज़ीफ़ा

वक़ील